INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Class work
Lesson-4 भोर और बरखा	Topic: - प्रश्नोत्तरी, व्याकरण	Date-6/08/23

अति लघु प्रश्न-

प्रश्न1. गोपियाँ ने अपने हाथों में क्या पहन रखे हैं?

उत्तर- गोपियाँ ने अपने हाथों में कंगन पहन रखे हैं|

प्रश्न2. मीरा को किसके आने का आभास होता है?

उत्तर- मीरा को श्रीकृष्ण के आने का आभास होता है|

प्रश्न3. दूसरे पद में किस महीने का वर्णन है?

उत्तर- दूसरे पद में सावन के महीने का वर्णन है|

प्रश्न4 गोपियाँ दही क्यों बिलो रही थीं?

उत्तर- गोपियाँ दही बिलोकर मक्खन निकालना चाह रही थीं।

प्रश्न5. ग्वाल-बालों के हाथ में क्या वस्तु थी**?**

उत्तर- ग्वाल-बालों के हाथ में माखन-रोटी थी|

प्रश्न6. सावन के महीने में बूंदें कैसी पड़ रही थीं?

उत्तर- सावन के महीने में नन्हीं-नन्हीं बूंदें पड़ रही थीं।

प्रश्न7. मीराबाई कौन से काल की प्रसिद्ध कवयित्री थीं?

उत्तर- मीराबाई भक्तिकाल की प्रसिद्ध कवयित्री थीं।

लघु प्रश्न-

प्रश्न1. पहले पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।

उत्तर- दूसरे पद के आधार पर ब्रज में भोर होते ही हर घर के दरवाज़े खुल जाते हैं। ग्वालिनें दही मथकर मक्खन बनाने लगती हैं, उनके कंगन की आवाज़ हर घर में गूँजती रहती है। ग्वाल बालक हाथों में मक्खन और रोटी लेकर गायें चराने की तैयारी करने लग जाते हैं।

प्रश्न2. मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?

उत्तर- मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा क्योंकि यह ख़ुशनुमा मौसम उन्हें प्रभु श्री कृष्ण के आगमन का अहसास करवाता है। इस मौसम में प्रकृति बड़ी ही सुंदर हो जाती है और मीराबाई का मन प्रसन्नता व उमंग से भर जाता है।

प्रश्न3. पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- सावन आते ही गर्मी का प्रकोप कम हो जाता है। चारों तरफ घने काले बादल छाने लगते हैं। बिजली चमकने लगती है, वर्षा की नन्हीं-नन्हीं बूंदें बरसती हैं और प्रकृति फल-फूल उठती है। फिर हवा में भीनी-भीनी ख़ुशबू फैल जाती है और वह ठंडी व सुहावनी लगने लगती है।

दीर्घ प्रश्न-

प्रश्न1. कृष्ण को "गिरधर' क्यों कहा जाता है? इसके पीछे कौन-सी कथा है?

उत्तर- कृष्ण को गिरधर इसलिए कहा जाता है क्योंकि ब्रज के लोग इंद्र की पूजा करते थे। श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन की पूजा करने के लिए कहा परंतु लोग गोवर्धन की पूजा करने लगे इससे इंद्र कुपित हो गए। ब्रज वासियों को उनकी करनी का फल चखाने के उद्देश्य से इंद्र ने मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। जिससे ब्रज के लोगों के मकान,पशु व सामान सब कुछ पानी में डूबने लगा। तब श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उँगली पर उठा लिया और ब्रज के लोग उसके नीचे आ गए। आखिर में इंद्र को अपनी भूल स्वीकार करनी पड़ी,तब-से कृष्ण को गिरधर कहा जाता है।

प्रश्न2. 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यारे', 'लाल जी', कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं**?**

उत्तर-'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यारे',, 'लाल जी' कहते हुए यशोदा कृष्ण को जगाने का प्रयास करती है। वे निम्नलिखित बातें भी कहती हैं-

i) रात बीत गई है और हर घर के दरवाज़े खुल चुके हैं।

ii) ग्वालिनें दही मथ रही हैं और उनके कंगनों की आवाजें आ रही है।

iii) ग्वाल-बाल हाथ में माखन-रोटी लेकर शोर करते हुए जय-जयकार कर रहे हैं। ताकि वे गाय चराने जा सकें। इसलिए मेरे प्यारे कान्हा! तुम जल्दी-से उठ जाओ।

व्याकरण-

प्रश्न1- दिए गए शब्दों के दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए |

1. प्रकृति- स्वभाव , कुदरत
2. भेद – प्रकार , रहस्य
3. तप – तपस्या , धूप
4. हार – पराजय , माला
5. विधि – तरीका , भाग्य
6. उपचार – इलाज , उपाय
7. वर्ण – रंग , अक्षर
8. कर्ण – कान , नाव की पतवार

प्रश्न2- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए |

1. नूतन x पुरातन
2. धीर x अधीर
3. अनुकूल x प्रतिकूल
4. लोक x परलोक
5. बंधन x मोक्ष
6. विस्तृत x संक्षिप्त
7. आस्तिक x नास्तिक
8. भूत x वर्तमान

प्रश्न3- दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए|

1. सुगंध – खुशबू , महक
2. दूध – क्षीर , दुग्ध
3. बंदर – वानर , कपि
4. वीर – बहादुर , सूरमा
5. बिजली- चपला , चंचला
6. निर्मल – पवित्र, साफ़
7. कृष्ण – गोपाल , मोहन
8. सरस्वती – शारदा , भारती

प्रश्न4- संवाद - पिता और पुत्र में वार्तालाप –

पिता – बेटे अतुल, कैसा रहा तुम्हारा परीक्षा-परिणाम?

पुत्र – बहुत अच्छा नहीं रहा, पिताजी।

पिता – क्यों? बताओ तो कितने अंक आए हैं?

पुत्र – हिंदी में सत्तर, अंग्रेजी में दस, गणित में बीस, और विज्ञान में तीस अंक आए हैं|

पिता – वाह! हिंदी में सत्तर हैं, शाबाश..| परंतु अंग्रेजी में इस बार इतने कम अंक क्यों हैं? कोई प्रश्न छूट गया था?

पुत्र – पूरा तो नहीं छूटा.....सबसे अंत में 'पत्र' लिखा था, वह अधूरा रह गया।

पिता – तभी तो...। कहता हूँ लिखने का अभ्यास किया करो|

पुत्र – गणित अच्छा नहीं हुआ था। उसमें केवल बीस अंक आए हैं।

पिता – यह तो बहुत खराब बात है। गणित से ही उच्च श्रेणी लाने में सहायता मिलती है।

पुत्र – पता नहीं क्या हुआ, पिताजी। कुछ प्रश्न तो मुझे आते ही नहीं थे।

पिता – एक प्रश्न न करने से इतने कम अंक तो नहीं आने चाहिए।

पुत्र – पेपर बहुत कठिन था। उसमें शुरू से ही ऐसी गड़बड़ी हुई कि सारे प्रश्न गलत हो गए।

पिता – अन्य छात्रों की क्या स्थिति है?

पुत्र – बहुत अच्छे अंक तो किसी के भी नहीं आए पर मुझसे कई छात्र आगे हैं।

पिता – सब अभ्यास की बात है बेटे! सुना नहीं 'करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।' तुम तो स्वयं समझदार हो। अब वार्षिक परीक्षाएँ निकट है। खेल का समय कुछ कम करके उसे पढ़ाई में लगाओ।

पुत्र – जी पिताजी! मैं कोशिश करूँगा कि अगली बार सभी विषयों में पूरे अंक लाऊँ।

पिता – मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है|

घर में रहें, सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें